परमात्म ऊर्जा

कूड़े कचरे का डिब्बा

मैजॉरिटी का पुरुषार्थ क्यों कम या ढीला होता है, उसके तीन मुख्य कारण बापदादा ने देखे हैं। पहला कारण मनमत- अगर एक बारी भी आपने किसी की कूड़े कचरे की बात सुन ली तो दूसरी बार वह कहाँ जायेगा? आप उसके लिए कूड़े-कचरे का डिब्बा बन गए हैं ना। जब कभी ऐसा-वैसा समाचार होगा तब वह आपके पास ही आयेगा, अपना सारा कूड़ा-कचरा सुनाने के लिए क्योंकि आपने एक बार सुना है ना। अब उसे समझाओ कि, ऐसी-वैसी बातें हमें न सुनाए या उसको ऐसी बातों से मुक्त करो। सुन करके इंटरेस्ट नहीं बढ़ाओ। अगर आप में इतनी ताकत हो जो सेकण्ड में बातों पर फुलस्टॉप लगा सको, उसके प्रति दृष्टि में व संकल्प में भी घृणा भाव बिल्कुल नहीं आए, इतनी पॉवर आप में है तब ही सुनना। दूसरा कारण, श्रीमत में परचिंतन- परचिंतन वालों का स्वचिंतन कभी नहीं चलेगा। कोई भी बात होगी परचिंतन वाला अपनी गलती दूसरों पर लगाएगा। बात बनाने में नम्बर वन होते हैं। स्वचिंतन इसको नहीं कहा जाता है कि सिर्फ ज्ञान की पॉइन्ट्स सुन ली, सुना ली, रिपीट कर दी। स्वचिंतन अर्थात् अपनी सूक्ष्म कमज़ोरियों को, छोटी-छोटी गलतियों को चिन्तन करके मिटाना, परिवर्तन करना, यह है स्वचिंतन। तीसरा कारण परदर्शन- दूसरे को देखने में मैजॉरिटी होशियार हैं। जो दूसरे को देखने में समय लगाएगा उसको खुद को देखने का समय कहाँ से मिलेगा! यह बात अलग है कि ज़िम्मेवारी के कारण सुनना-देखना भी पड़ता है, उसमें भी कल्याण की भावना से सुनना और देखना लेकिन अपनी अवस्था को हलचल में लाकर देखना, सुनना या सोचना यह बिल्कुल रॉंग है। अगर आप अपने को ज़िम्मेवार समझते हो तो ज़िम्मेवारी के पहले अपनी स्थिति रूपी ब्रेक पॉवरफुल बनाओ। ज़िम्मेवारी भी एक ऊंची स्थिति है। ज़िम्मेवारी भल उठाओ लेकिन पहले यह चेक करो कि सेकण्ड में बिंदी लगती है? तीन 'प' की बातों से मुक्त बनो और एक 'प' की बात धारण कर लो। तीनों प्रकार के 'प' परमत, परचिंतन, परदर्शन को खत्म करो और एक 'प' पर उपकारी बनो, सर्व उपकारी बनो।

एक युवक पहाड़ की चोटी पर पहुँचने का सपना देखता था। जब भी चढ़ाई शुरू करता, थोड़ी दूरी तय करके ही वापस लौट आता। उसे लगता था कि रास्ता बहुत लंबा है और वह इसे पूरा नहीं कर पाएगा।

एक दिन उसे एक बुजुर्ग संत मिले। युवक ने अपनी समस्या बताई। संत उसे पास की एक पुरानी सीढ़ी के पास ले गए। सीढ़ी टूटी हुई थी और केवल पाँच पायदान ही बचे थे। संत बोले - "इस सीढ़ी पर चढ़कर दिखाओ।"

युवक ने कहा - "संतजी, यह सीढ़ी अधूरी है, इससे मैं ऊपर कैसे पहुंचूंगा?"

संत मुस्कुरा कर बोले - "बिल्कुल वैसे ही जैसे तुम अपने सपने तक पहुँचोगे - एक-एक कदम बढ़ाते हुए। पूरा रास्ता दिखना ज़रूरी नहीं, पहला कदम उठाना ज़रूरी है।"

युवक को बात समझ आ गई। उसने पहाड़ चढ़ना शुरू किया, इस बार बिना सोचे कि रास्ता कितना बाकी है। वह केवल अगले कदम पर ध्यान देता रहा। कई घंटों की मेहनत के बाद वह आखिरकार चोटी तक पहुँच गया।

शिक्षा : ज़िंदगी में पूरा रास्ता एक साथ दिखना ज़रूरी नहीं। पहला कदम हिम्मत से उठाओ, रास्ता खुद ब खुद बनता जाता है।

अधूरी सीढ़ी भी काफी है

मूर्तिकार और पत्थर

एक मूर्तिकार था जो पत्थरों से सुंदर मूर्तियां बनाता था। उसका शिष्य हमेशा पूछता - "गुरू जी, आप कैसे जानते हैं कि इस पत्थर के अंदर कौन सी मूर्ति छिपी है?" मूर्तिकार हँसकर कहता - "मैं मूर्ति नहीं बनाता, मैं सिर्फ अनावश्यक हिस्से हटाता हूँ, पहली से ही मूर्ति पत्थर में मौजूद होती है।"

एक दिन शिष्य ने अपनी पहली मूर्ति बनानी शुरू की। उसने कई बार गलतियां कीं, मूर्ति टूट गई, आकार बिगड़ गया। वह निराश होकर बोला - "मुझसे नहीं होगा।"

गुरु जी ने उसे शांत होकर कहा - "जिस तरह मैं पत्थर में छिपी मूर्ति को बाहर लाता हूं, उसी तरह मेहनत तुम्हारे भीतर छिपी क्षमता को बाहर लाएगी। लेकिन उसके लिए तुम्हें अपने डर, आलस और शंकाओं को हटाना होगा।"

शिष्य ने हिम्मत नहीं छोड़ी और काम जारी रखा। कुछ समय बाद उसने अपनी पहली सुंदर मूर्ति बना ली।

गुरु जी बोले - "हम सबके भीतर प्रतिभा छिपी होती है, बस उसे बाहर आने का साहस चाहिए।"

शिक्षा : विकास बाहर से नहीं, अंदर से शुरू होता है।

इंदौर-ज्ञानशिखर(म.प्र.)। विश्व कैंसर दिवस पर आयोजित कार्यक्रम का दीप प्रज्वलित कर उद्घाटन करते हुए कैंसर सर्जन डॉ. संजय देसाई, क्षेत्रीय निर्देशिका राजयोगिनी ब्र.कु. हेमलता दीदी, कोकिला देवी हॉस्पिटल के कैंसर रोग विशेषज्ञ डॉ. एस.पी. श्रीवास्तव, वरिष्ठ सलाहकार मेडिकल ऑन्कोलॉजी डॉ. राकेश तारण, पुष्प श्री हॉस्पिटल के संचालक डॉ. गिरीश टॉवरी, डॉ. शिल्पा देसाई, दिनेश बिसेन, ब्र.कु. अनीता, ब्र.कु. उषा तथा अन्य।

रतलाम-म.प्र.। राजीव गांधी सिविक सेंटर सेवाकेन्द्र विशनीत योग संगीत संस्थान के जिला प्रभारी विशाल वर्मा एवं निलेंद्र आचार्य द्वारा आयोजित जिला पुरातत्व पर्यटन एवं सांस्कृतिक परिषद गुलाब चक्कर पर डॉ. दिव्या पाटीदार डायरेक्टर दी ग्रोइंग इंडिया फाउंडेशन,मिस इंडिया 2018,मिस यूनिवर्स सेंट्रल एशिया 2021,क्वीन ऑफ गैलेक्सी 2022 को सम्मानित करने के पश्चात् समूह चित्र में साथ हैं वरिष्ठ समाजसेवी प्रकाश व्यास, पतंजलि युवा भारत राज्य प्रभारी प्रेम पुनिया, ब्र.कु. मनोरमा, महावीर इंटरकॉन्टिनेंटल अध्यक्ष डॉ. प्रदीप जैन, विनोद सिसोदिया तथा अन्य।

ग्वालियर-इन्द्रगंज(म.प्र.)। संस्था के 90वें स्थापना वर्ष के उपलक्ष्य में सौरव गार्डन,जैन छात्रावास में आयोजित महाशिवरात्रि के दीप प्रज्वलन कार्यक्रम में पूर्व क्षेत्र विधायक डॉ. सतीश सिंह सिकरवार, भाजपा प्रदेश कार्य समिति उद्योग प्रताप सिंह राठौड़, मनोज मुरार ब्लॉक अध्यक्ष विनोद जैन, आरोग्य भारती के डॉ. एसपी बत्रा, डॉ. आनंद गुप्ता, श्री राम सविता, व्यवसायी गोविंद सिंह, पार्षद अनिल सोलंकी, स्वदेश के समूह संपादक अतुल तारे, समाजसेवी महिला तारे, भारतीय योग संस्थान से महेश अग्रवाल, सेवाकेन्द्र संचालिका ब्र.कु. आदर्श बहन, ब्र.कु. प्रहलाद तथा अन्य की उपस्थिति रही।

लखनादौन-सिवनी(म.प्र.)। राष्ट्रीय बालिका दिवस के उपलक्ष्य में कस्तूरबा गांधी बालिका छात्रावास में आयोजित कार्यक्रम के पश्चात् समूह चित्र में अधीक्षिका हेमलता साहू जी, ब्र.कु. ममता, ब्र.कु. पूजा एवं बालिकाएं।

पुणे-ससाणे नगर(महा.)। 90वीं त्रिमूर्ति शिवरात्रि पर आयोजित मेले का फीता काटकर उद्घाटन करते हुए नगरसेवक मारुती आबा तुपे। साथ हैं स्थानीय सेवाकेन्द्र संचालिका ब्र.कु. स्मिता तथा अन्य।

पिंपले निलख-पुणे(महा.)। 90वीं त्रिमूर्ति शिवजयंती महोत्सव के पर लगाई प्रदर्शनी के दौरान समूह चित्र में नगरसेविका आरतीताई चोंधे, नगरसेविका स्नेहलताई कामठे, समाजसेवक शिरीष आप्पा साठे,सचिन साठे,पवन कामठे, राहुल पठारे व संकेत चोंधे, ब्र.कु. सुरेखा बहन, ब्र.कु. सुनीता, सुनील भाऊ एवं अन्य ब्र.कु. भाई-बहनें।

छतरपुर-विश्वनाथ कॉलोनी(म.प्र.)। ब्रह्माकुमारीज़ मेडिकल प्रभाग तथा भारत सरकार के सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय द्वारा नशा मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत एमके हायर सेकेंडरी स्कूल परिसर में आयोजित कार्यक्रम के पश्चात् समूह चित्र में ब्र.कु. रेखा, ब्र.कु. नमता, गिरवर गोपाल जिला नशा मुक्ति केन्द्र के कृष्ण कुमार खरे, स्कूल डायरेक्टर दिनेश रावत, उपनिदेशक विनीता पटेरिया एवं समस्त स्टाफ।

भंडूरी-गुज.। 90वीं त्रिमूर्ति शिवजयंती के अवसर पर शिवध्वजारोहण करते हुए उद्योगपति भरत गोधासरा, ब्र.कु. मीता, ब्र.कु. दक्षा तथा अन्य।